iy74, as compared to the corresponding period of the preceding year.

A proposal to set up a police post in this area is under consideration. In the meanwhile, night patrolling has been intensified and mounted police and foot patrol parties are sent out in the night in this area

Scheduled Castes/Tribes (Order) Kill 616. SHRI B. R. MUNDA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 1044 given in the Rajya Sabha on 8th March, 1973 and state by when the Scheduled Castes and Schednled Tribes (Order) Bill is likely to be introduced in Parliament?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI F. H. MOHSIN): Every effort is being made to expedite re-introduction of the Schednled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Bill. It cannot be said as to when the final Bill will be ready for introduction.

सौर ऊर्जा का उपयोग

617. **श्री गुणानन्द ठाकुर** : क्या **औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सौर ऊर्जा के उपयोग एवं विकास के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं तथा कब तक इसका वास्तव में उपयोग होन लगेगा ?

t [Solar Energy]

617. SHRI GUNANAND THAKUR: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state the steps taken by Government for the development and use of solar energy and by when it will be put to actual use.]

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सब्रह् मण्यम्) : सौर ऊर्जा और उसके उपयोग के तथ्यों का विस्तृत अध्ययन करने के लिये एन० सी० एस० टी० ने विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त की है। विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के जीवन में सौर उर्जा का समुचित प्रयोग करने के लिये विशेषज्ञों की समिति ने एक वृहद् रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट में उन क्षेत्रों की जानकारी दी है जहां सौर ऊर्जा का लाभदायक उपयोग किया जा सके। समिति ने एन० सी० एस० टी० को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एन० पी० एल०) नई दिल्ली, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सी० बी० आर० आई०) रुड़की और केन्द्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर में सौर-ऊर्जा (सोलर एनर्जी) के उपयोग के संबंध में कार्य किया गया है। इन प्रयोगशालाओं में विकसित किये गये प्रत्येक प्रक्रम की स्थिति इस प्रकार है :—

(1) **राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली**

(क) सौर कुकर (सोलर कुकर) : उन्नीस सौ पचास पचपन में यह प्रविधि बाजार में निकाली गई थी, लेकिन उपभोक्ता पर इसका प्रभाव अधिक नहीं पड़ा।

(ख) सौर जल-तापवाहक (सोलर वाटर हीटर) : व्यापारिक प्रयोग के लिये यह प्रविधि राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम को निर्दिष्ट की गई है।

(2) **केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की** :

सोलर हीटर (सौर ताप वाहक)

इस प्रविधि की तक्नीकी जानकारी मेसर्स एम० एस० जे० (इंजीनियर) रुड़की को प्रदान की गई है, जिसने इसका उत्पादन कार्य पहिले ही ारम्भ कर दिया है।

एक और अन्य फर्म मैसर्स फरटी प्लांट इंजीनियर्स कंपनी प्रा० लि० बम्बई को भी यह प्रविधि दी जा रही है।

केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की भी सर्य की उर्जा इस्तेमाल करके कमरों को गर्म करने की व्यवस्था पर काम कर रहा है।

t[ ] English translation,